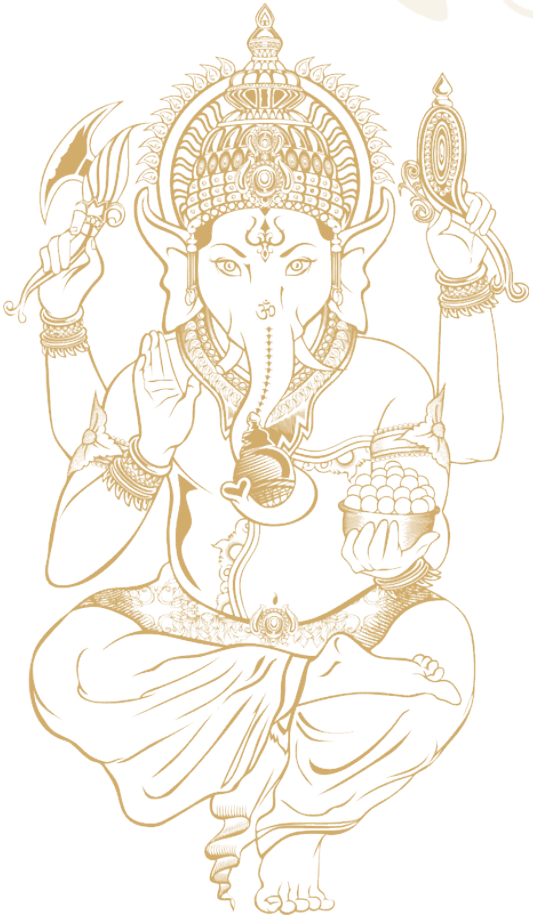

Mr.ankit pilkwa

21 Mar 1997

11:00 AM

Pilkhua

Model: web-freekundliweb

Order No: 119216603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/03/1997**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**11:00:00 घंटे**
इष्ट	11:33:38 घटी
स्थान	**Pilkhua**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:42:00 उत्तर
रेखांश	77:41:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:40:44 घंटे
वेलान्तर	-00:07:13 घंटे
साम्पातिक काल	22:35:50 घंटे
सूर्योदय	06:22:32 घंटे
सूर्यास्त	18:30:53 घंटे
दिनमान	12:08:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	06:49:36 मीन
लग्न के अंश	29:21:36 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	धृति
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	29:21:36	342:35:06	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			मीन	06:49:36	00:59:34	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	04:27:56	11:48:09	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
मंगल	व		कन्या	01:25:27	00:23:21	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
बुध		अ	मीन	16:14:26	01:58:32	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	नीच राशि
गुरु			मक	19:10:42	00:11:42	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र		अ	मीन	03:41:50	01:14:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	15:13:01	00:07:28	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
राहु	व		कन्या	04:55:54	00:00:01	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	04:55:54	00:00:01	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	13:43:53	00:02:26	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप			मक	05:40:05	00:01:19	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	11:44:19	00:00:26	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	13:25:49	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:05

लग्न-चलित

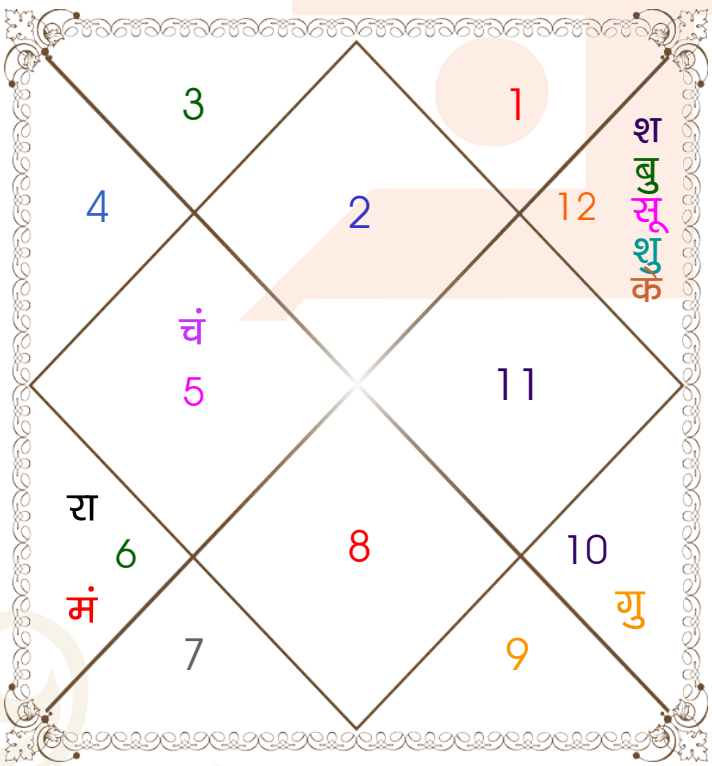

चन्द्र कुंडली

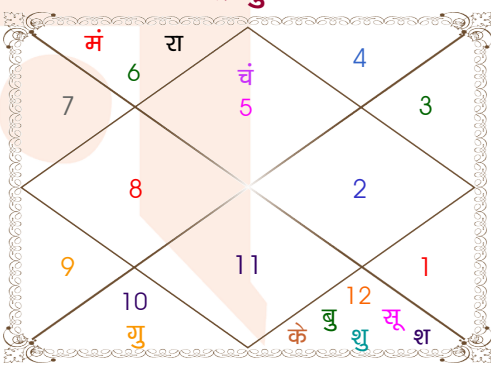

नवमांश कुंडली

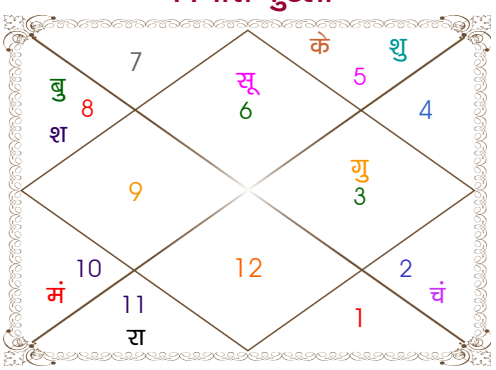

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 7 मास 26 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/03/1997		15/11/2001		15/11/2021		16/11/2027		15/11/2037	
15/11/2001		15/11/2021		16/11/2027		15/11/2037		15/11/2044	
	00/00/0000	शुक्र	17/03/2005	सूर्य	05/03/2022	चंद्र	15/09/2028	मंगल	14/04/2038
	00/00/0000	सूर्य	17/03/2006	चंद्र	04/09/2022	मंगल	16/04/2029	राहु	02/05/2039
	21/03/1997	चंद्र	16/11/2007	मंगल	09/01/2023	राहु	16/10/2030	गुरु	07/04/2040
चंद्र	20/05/1997	मंगल	15/01/2009	राहु	04/12/2023	गुरु	15/02/2032	शनि	17/05/2041
मंगल	16/10/1997	राहु	16/01/2012	गुरु	21/09/2024	शनि	16/09/2033	बुध	14/05/2042
राहु	03/11/1998	गुरु	16/09/2014	शनि	03/09/2025	बुध	15/02/2035	केतु	10/10/2042
गुरु	10/10/1999	शनि	15/11/2017	बुध	11/07/2026	केतु	16/09/2035	शुक्र	10/12/2043
शनि	18/11/2000	बुध	15/09/2020	केतु	16/11/2026	शुक्र	17/05/2037	सूर्य	16/04/2044
बुध	15/11/2001	केतु	15/11/2021	शुक्र	16/11/2027	सूर्य	15/11/2037	चंद्र	15/11/2044

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/11/2044		16/11/2062		16/11/2078		15/11/2097		17/11/2114	
16/11/2062		16/11/2078		15/11/2097		17/11/2114		00/00/0000	
राहु	29/07/2047	गुरु	03/01/2065	शनि	18/11/2081	बुध	14/04/2100	केतु	15/04/2115
गुरु	22/12/2049	शनि	17/07/2067	बुध	29/07/2084	केतु	11/04/2101	शुक्र	14/06/2116
शनि	28/10/2052	बुध	22/10/2069	केतु	06/09/2085	शुक्र	10/02/2104	सूर्य	20/10/2116
बुध	17/05/2055	केतु	28/09/2070	शुक्र	06/11/2088	सूर्य	17/12/2104	चंद्र	22/03/2117
केतु	04/06/2056	शुक्र	29/05/2073	सूर्य	19/10/2089	चंद्र	18/05/2106		00/00/0000
शुक्र	05/06/2059	सूर्य	17/03/2074	चंद्र	20/05/2091	मंगल	15/05/2107		00/00/0000
सूर्य	28/04/2060	चंद्र	17/07/2075	मंगल	28/06/2092	राहु	02/12/2109		00/00/0000
चंद्र	28/10/2061	मंगल	22/06/2076	राहु	05/05/2095	गुरु	09/03/2112		00/00/0000
मंगल	16/11/2062	राहु	16/11/2078	गुरु	15/11/2097	शनि	17/11/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 7 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।